कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय,कोटा (राज.)

(NAAC द्वारा "A" ग्रेड़ प्राप्त संस्थान)

Email address principalgckota@gmail.com

एमओयू रिपोर्ट

राजकीय महाविद्यालय कोटा एवं आर्ट ऑफ लिविंग के मध्य सहमति ज्ञापन (एमओयू)

(एमओयू की अवधि : 15 दिसंबर, 2023 से 14 दिसंबर, 2026 तक)

राजकीय महाविद्यालय कोटा और आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के मध्य सहमति ज्ञापन सम्पादित हुआ। एमओयू दस्तावेजों पर आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान की ओर से संस्थान के **स्टेट यूथ कॉर्डिनेटर श्री पारस कोहली** तथा राजकीय महाविद्यालय की ओर से **प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव** ने हस्ताक्षर किये।

प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि आज के दौर में विद्यार्थियों में बढ़ते अवसाद और तनाव चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसके दुखद परिणाम समय–समय देखने को मिलते रहते हैं। ऐसी स्थिति में आर्ट ऑफ लिविंग जैसे संस्थान विद्यार्थियों के लिए नयी आशा और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। प्राचार्य श्रीवास्तव एवं आर्ट ऑफ लिविंग के यूथ कॉर्डिनेटर श्री पारस कोहली ने कहा कि दोनों संस्थानों के मध्य सहमति ज्ञापन बनने से आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान द्वारा लगाये जाने वाले चेतना शिविर, साहित्य रिकोर्डेड प्रवचनों, व्याख्यानों, अभ्यास शिविरों व अन्य गतिविविधयाँ सुगमता से आयोजित हो सकेगी तथा विद्यार्थी इन कार्यक्रमों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ और भीतरी चेतना का विकास कर सकेंगे तथा भीतरी उलझनों, अवसाद और तनाव से मुक्त हो सकेंगे और अपने अंदर सकारात्मक विचारों को समृद्ध कर सकेंगे।

एमओयू हस्ताक्षर के समय महाविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की प्रभारी डॉ.कुसुम डंग, मेंटल हेल्थ काउंसलिंग सेंटर प्रभारी डॉ.उत्तरा चन्द्रावत, आइक्यूएसी प्रभारी डॉ.अरूण कुमार, वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ.अंजू कपूर, रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका दक्षिणी, भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.रमेशचन्द्र, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ.सियाराम मीणा, आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के स्टेट यूथ कॉर्डिनेटर श्री पारस कोहली, संकाय सदस्य श्री अभय शर्मा व दीपक शर्मा मौजूद रहे। यह एमओयू 15 दिसंबर, 2023 से 14 दिसंबर, 2026 तक के हुआ है।

...जवान तैनात हैं। लेकिन ...भी कार्रवाई के नाम पर बेबस ...। पास में ऑटो, मेजिक, बस ...ा हुआ है।

इन बाजारों की व्यवस्था में सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसका खामियाजा आम नागरिकों को उठाना पड़ रहा है।

राजकीय महाविद्यालय व आर्ट ऑफ लिविंग के मध्य बनी सहमति

जननायक संवाददाता

कोटा। राजकीय महाविद्यालय कोटा और आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के मध्य सहमति ज्ञापन संपादित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के स्टेट यूथ कॉर्डिनेटर पारस कोहली तथा महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए।

प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि आज के दौर में विद्यार्थियों में बढ़ते अवसाद और तनाव चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसके दुखद परिणाम समय-समय पर देखने को मिलते रहते हैं। ऐसी स्थिति में आर्ट ऑफ लिविंग जैसे संस्थान विद्यार्थियों के लिए नई आशा और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। प्राचार्य श्रीवास्तव एवं आर्ट ऑफ लिविंग के यूथ कॉर्डिनेटर पारस कोहली ने कहा कि दोनों संस्थानों के मध्य सहमति ज्ञापन बनने से आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान द्वारा लगाए जाने वाले चेतना शिविर, साहित्य रिकोर्डेड प्रवचनों, व्याख्यानों, अभ्यास शिविरों व अन्य गतिविधियां सुगमता से आयोजित हो सकेगी और विद्यार्थी इनके माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और भीतरी चेतना का विकास, भीतरी उलझनों, अवसाद और तनाव से मुक्त होकर अपने अंदर सकारात्मक विचारों को समृद्ध कर सकेंगे।

कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय,कोटा (राज.)

(NAAC द्वारा "A" ग्रेड़ प्राप्त संस्थान)

Email address principalgckota@gmail.com

दिनांकः 1 फरवरी 2024

प्रेस रिपोर्ट

राजकीय महाविद्यालय कोटा एवं आर्ट ऑफ लिविंग के मध्य सहमति ज्ञापन

आज दिनांक 1 फरवरी 2024 को राजकीय महाविद्यालय कोटा और आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के मध्य सहमति ज्ञापन सम्पादित हुआ। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान की ओर से संस्थान के **स्टेट यूथ कॉर्डिनेटर श्री पारस कोहली** तथा राजकीय महाविद्यालय की ओर से **प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव** ने हस्ताक्षर किये।

प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि आज के दौर में विद्यार्थियों में बढ़ते अवसाद और तनाव चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसके दुखद परिणाम समय–समय देखने को मिलते रहते हैं। ऐसी स्थिति में आर्ट ऑफ लिविंग जैसे संस्थान विद्यार्थियों के लिए नयी आशा और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। प्राचार्य श्रीवास्तव एवं आर्ट ऑफ लिविंग के यूथ कॉर्डिनेटर श्री पारस कोहली ने कहा कि दोनों संस्थानों के मध्य सहमति ज्ञापन बनने से आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान द्वारा लगाये जाने वाले चेतना शिविर, साहित्य रिकोर्डेड प्रवचनों, व्याख्यानों, अभ्यास शिविरों व अन्य गतिविधियाँ सुगमता से आयोजित हो सकेगी तथा विद्यार्थी इन कार्यक्रमों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ और भीतरी चेतना का विकास कर सकेंगे तथा भीतरी उलझनों, अवसाद और तनाव से मुक्त हो सकेंगे और अपने अंदर सकारात्मक विचारों को समृद्ध कर सकेंगे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की प्रभारी डॉ.कुसुम डंग, मेंटल हेल्थ काउंसलिंग सेंटर प्रभारी डॉ.उत्तरा चन्द्रावत, आइक्यूएसी प्रभारी डॉ.अरूण कुमार, वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ.अंजू कपूर, रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका दक्षिणी, भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.रमेशचन्द्र, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ.सियाराम मीणा, आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के स्टेट यूथ कॉर्डिनेटर श्री पारस कोहली, संकाय सदस्य श्री अभय शर्मा व दीपक शर्मा मौजूद रहे।

सादर प्रकाशनार्थ

सम्पादक महोदय

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय, कोटा